पाठ - 17 बच्चे काम पर जा रहे हैं

कवि - रामेश्वर जोशी

(1) कोहरे से ढकी सड़क पर — — / — काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?

प्रश्न- कवि के चिन्तित होने का क्या कारण है ? पद्यांश के आधार पर लिखिए ?

उत्तर- कवि के चिन्तित होने का कारण है - विपरीत परिस्थितियों में बच्चों का काम पर जाने के लिए विवश होना। वातावरण में घना कोहरा छाया है। सरदी की अधिकता के कारण जब घर से बाहर निकलने को भी जी नहीं करता है तब भी बच्चे काम पर जा रहे हैं।

प्रश्न- 'भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना' - पंक्ति से समाज की किस मानसिकता की ओर संकेत मिलता है ?

उत्तर- 'भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना' - पंक्ति से समाज की उदासीनता और संवेदन हीनता का भान होता है। लोग बच्चों को काम पर जाता हुआ देखते हैं परंतु देखकर भी अनदेखा कर देते हैं। बाल-मजदूरी को देखकर न वे चिंतित होते हैं और न ही बच्चों को बचाने का कोई उपाय सोचते हैं।

प्रश्न- 'कवि 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' — पंक्ति को सवाल की तरह लिखे जाने का पक्षधर क्यों है ?

उत्तर- कवि बालश्रम की समस्या को सवाल की तरह उठाने का पक्षधर इसलिए है ताकि लोग समस्या की गहराई में जाएँ उसके कारणों पर विचार करें और समाधान का

उपाय सोचें।

(2) क्या अंतरिक्ष में — — — — एकाएक

प्रश्न खिलौने और किताबें नष्ट होने की बात पूछकर कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर- खिलौने और किताबें नष्ट होने की बात पूछकर कवि यह कहना चाहता है कि काम पर जाने वाले इन बच्चों की उम्र अभी खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने की है। इस उम्र में उन्हें काम पर नहीं जाना चाहिए। कवि चाहता है कि इन बच्चों का बचपन नष्ट होने से बचे और उन्हें पढ़ने-लिखने का अवसर मिले।

प्रश्न- कवि रंगीन किताबें, गेंदें, खिलौने, मदरसे, मैदान, बगीचे, आँगन क्यों चाहता है?

उत्तर कवि रंगीन किताबें, गेंदें, खिलौने, मदरसे, मैदान, बगीचे, आँगन इसलिए चाहता है ताकि नन्हें बच्चे खेल-कूद सकें और निश्चित जीवन जी सकें।

प्रश्न मदरसों से क्या आशय है?

उत्तर मदरसों से आशय है- विद्यालय।

प्रश्न 'काले पहाड़' किसका प्रतीक है? यह किस तरह हानिकारक सिद्ध हो रहा है?

उत्तर- 'काले पहाड़' शोषण व्यवस्था का प्रतीक हैं। इसके कारण बच्चों का बचपन नष्ट हो रहा है और वे काम पर जाने को विवश हैं।

(3) तो फिर, बचा ही क्या है ________ काम पर जा रहे हैं।

प्रश्न 'तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में' का आशय स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर उपरोक्त पंक्ति का आशय है- अगर नन्हें बच्चों की किताबें, विद्यालय, खिलौने, खेलकूद का स्थान सब नष्ट हो गए हैं तो इस दुनिया में उनके लिए कुछ बचा ही नहीं है। तो ऐसा जीवन बच्चों के लिए आनंद पूर्ण नहीं हो सकता।

प्रश्न 'भयानक होता अगर ऐसा होता' का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर कवि कहना चाहते हैं कि यदि सचमुच बच्चों के लिए सारी सुविधाएँ नष्ट हो गयी होतीं; गेंदें, रंगीन पुस्तकें, खिलौने, विद्यालय, मैदान, आँगन, बाग-बगीचे नष्ट हो गए होते तो यह बच्चों के लिए बहुत भयानक संकट होता। तब सारी दुनिया ही बदरंग हो जाती।

प्रश्न- कवि की दृष्टि में अधिक भयानक स्थिति क्या है ?

उत्तर कवि की दृष्टि में अधिक भयानक स्थिति यह है कि संसार में बच्चों के खेल मनोरंजन और पढ़ाई के लिए वस्तुओं की कोई कमी नहीं है किंतु फिर भी अनेक अभागे उनसे वंचित हैं। गरीबी के कारण उन्हें बचपन में ही कामकाज करना पड़ता है।

प्रश्न- कवि बच्चों के काम पर जाने से चिंतित क्यों है ?

(4)

classmate

Date
Page

उत्तर- कवि बच्चों के काम पर जाने के कारण, कारण चिंतित है। उसे लगता है कि बच्चों को खेल-कूद और पढ़ाई-लिखाई में मस्त रहना चाहिए। बचपन बच्चों के सुख और विकास के लिए होता है इसलिए उनपर रोजी-रोटी कमाने का बोझ नहीं डालना चाहिए।

प्रश्न- कवि ने बच्चों को बहुत छोटे बच्चे कहकर क्यों संबोधित किया है?

उत्तर- कवि ने उपरोक्त शब्द की पुनरावृत्ति बच्चों के प्रति सहानुभूति जगाने के लिए किया है।